नागर और विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) पर्यटकों द्वारा किए जाने वाले औसत खर्च पैटर्न के आधार पर गत तीन वर्षों के दौरान कश्मीर घाटी में पर्यटन से होने वाली आकलित आय इस प्रकार रही—

(करोड़ रु. में)

वर्ष	आय	% अन्तर
1988	100.98	—
1989	87.00	−13.8
1990	3.10	−96.4

(ख) जी, हां । घाटी की वर्तमान परिस्थिति ने वहां आने वाले पर्यटकों की संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है ।

(ग) और (घ) जम्मू और कश्मीर के राज्य के अन्य भागों में पर्यटन से संबंधित आधारिक-संरचना में सुधार ला कर और अधिक पर्यटकों को राज्य की ओर आकर्षित करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

कूड़े करकट से विद्युत का उत्पादन

96. **श्री राम नरेश यादव** : क्या विद्युत और गैर- पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे की :

(क) क्या निगमों के कूड़ा-करकट तथा धान की भूसी से विद्युत तैयार करने की योजना सफल हुई है ; यदि हां, तो क्या सरकार इसका और विस्तार करने का विचार रखती है ; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और इस संबंध में सरकार अब तक कितना व्यय कर चुकी है तथा अगले वर्ष के दौरान उस पर कितना व्यय करने का विचार है ; और

(ख) भारत में बिजली की मांग तथा आपूर्ति में कितना अन्तर है तथा सरकार अगले पांच वर्षों में इस कमी को किस प्रकार पूरा करने का विचार रखती है ?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) (श्री कल्पनाथ राय) : (क) शहरी अपशिष्टों के निपटान और विद्युत उत्पादन के लिए धान पुआल जैसे अतिरिक्त कृषि अवशिष्टों के इस्तेमाल हेतु अनुसंधान और विकास शाखाओं के साथ कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं । ऐसी परियोजनाओं की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अभी सिद्ध होनी है तथा उसके बाद ही आगे परियोजनाएं शुरू की जा सकती हैं । अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत विभाग द्वारा ऐसी परियोजनाओं के संबंध में अब तक कुल लगभग 46 करोड़ रुपये व्यय किया गया है जिसमें लगभग 22 करोड़ रुपये की कुल विदेशी उदार ऋण सहायता और कुल लगभग 6 करोड़ रुपये का अनुदान शामिल है ऐसी योजनाओं पर चालू वर्ष के दौरा लगभग 2 करोड़ रुपये के व्यय की परि कल्पना की गई है ।

(ख) अप्रैल से जून, 1991 तक की अवधि के दौरान 68815 मिलियन यूनिट ऊर्जा की अखिल भारतीय आवश्यकता की तुलना में ऊर्जा की उपलब्धता 62772 मिलियन यूनिट थी जिससे 8.8% की कमी आई है ।

विद्युत की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए किए गए उपायों में नई उत्पादन क्षमता को प्रारंभ करने में शीघ्रता करना, लघु परि-पक्वता अवधि की परियोजनाओं का कार्या-न्वयन, वर्तमान विद्युत केन्द्रों के कार्यनिष्पादन में सुधार लाना, संचरण और वितरण से होने वाली हानियों में कमी लाना, मांग प्रबंध और ऊर्जा संरक्षण उपायों को कार्यान्वित करना और बिजली की अधिकता वाले क्षेत्रों से कमी वाले क्षेत्रों को ऊर्जा सप्लाई करना शामिल है ।

उत्तर प्रदेश में एल० पी० जी० (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) बाटलिंग प्लांट

97. **श्री राम नरेश यादव** : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में कुल कितने एल.पी.जी. (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) बाटलिंग प्लांट हैं तथा वे कहां-कहां स्थित हैं तथा क्या सरकार आजमगढ़ जिले की